

## असाधारण EXTRAORDINARY

शहा गि—वृष्ट 3—उप-वृष्ट (ii) PART H—Section 3—Sub-Section (ii)

### प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 292]

नई बिल्ली, शुक्रवार, मई 15, 1992/वैशाख 25, 1914

No. 292]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 15, 1992/VAISAKHA 25, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be field as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

प्रावेस

नई विस्मी, 15 मई, 1992

का. मा. 335(म).--भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे स्वापक औषत एवं मन: प्रभावी पवार्य प्रवेष व्यापार निवारण प्रधिनियम, 1986 की धारा ? की उप धारा (1) के प्रधीन विशेष रूप से सकत किया गया है, उक्त उप धारा के प्रधीन प्रारेष फा. सं. 801/18/91-- स्वा. जो. म. प्रथ्या नि. तारीख 10-9-91 यह निदेश देते हुए रारी किया गया था कि भी प्रक्ष्य करीम गुजरीन सुपुत प्रक्ष्युल करीम केश्रीय जेल महास की प्रभिरक्षा में रखा थाए ताकि उसे स्थापक भौषधियां को खरीवने, लाने-ले-जाने, छिपाने तथा भारत के बाहर निर्यात के लिए उस्प्रेरित करने में लिएत रहने तथा प्रद्यंत से रोका जा सके !

 केन्द्रीय सरकार के पास यह विकास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त भादेश का निष्पादन गहा हो सके; 3. अत: प्रव, केन्द्रीय सरकार उन्त अधिनियम की खारा 8 उपधार (1) के खंड (ख) क्षारा प्रदत्त कक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश वेती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस मादेश के राजपत्र में प्रकाशन के 10 दिन के मीतर पुलिस उपायुक्त, महास के समक्ष हाजिर हो।

> च्छा० सं० 801/18/91-स्था०औ०म०प०अ०च्या०नि० प्रकास खन्द्र, स्रवर सचिर

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 15th May, 1992

S.O. 335(E).—Whereas the Joint Secretary the Government of India, specially empowered unsub-section (1) of Section 3 of the Prevention Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotron Substances Act, 1988 issued order F. No. 801|18| PITNDPS dated 10-9-1991 under the said sub-section

directing that Shri Abdul Careem Mujreen So Abdul Careem be detained and kept in custody in the Central prison, Madras with a view to preventing him from engaging in abetting and conspiring in purchase, transportation, concealment and export from India of Narcotic Drugs;

- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3 Now, therefore, in exercise of powers conferred by claute (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Deputy Commissioner of Police, Madras within 10 days of the p blication of this order in the official Gazette.

# [F. No. 801|20|91 -PITNDPS] PARKASH CHANDRA, Under Secv.

पादेश

#### नई दिस्सी:, 5 मई, 1992

का. ३ (१६) (भ) -- भारत मरकार के संपूक्त सिवा में, जिसे स्थापक सिवा एवं पर प्रभाव पर्योग प्रवेध क्यापार निवारण श्रीविनयम, 1988 की भारा 3 के त्य भारा () के ब्रधिन विशोग रूप से सम्राहत किया गया है, एक्त व्य भारा के ब्रधिन का. स. 80 () 9/9!--स्वा. ओ. य. प्र. प्रध्या. ति. तिर्भेष 10-9-9। यह निवेश देते हुए जार किया गया था कि श्री साहुल हर्ग व सल्भ प्रमुख साहुल हर्ग व केन्द्र य जैल, सद्राम के अभिरक्षा में रूपा जाए वाकि १से स्वापक औषधियों को खर, दने लोने-ले-जाने, छिपाने तथा भारत के बाहुर नियान के लिए अभिरित करने में लिप्त रहने स्वाप क्यांस से रोका णा सके;

- केक्ट्रेय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्न अ्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त श्रादेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. धतः धनः, केन्द्रीय सरकार उक्त प्रश्नियम की घारा १ उपघारा (1) के खंड (ऋ) वारा प्रदल सक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश वेती है कि पूर्वीक्त ध्यक्ति, इस धावेश के राजपन में प्रकाशन के 10 विन के भीतर पुलिस उपायुक्त मद्रास के समक्ष हाजिर हो।

[फा. सं. 801/19/91-स्वा. ओ. म. प. घ.च्या.नि.] प्रकाश चन्द्र, घवर सचिव

#### ORDER

#### New Delhi, the 15th May, 1992

S.O. 336(E).—Whereas the Joint Secretary to be Government of India, specially empowered under ab-section (1) of Section 3 of the Prevention of sicit Trailie in Narcotic Drugs and Psychotropic abstances Act, 1933 issued order F. No. 801|19|91-ITNDPS dated 10-9-1991 under the said sub-section irecting that Shri Sahul Hameed Saleem S|o Sahul ameed be detained and kept in custody the Central prison, Madras with a view to preventing him from engaging in abetting and conspiring in urchase, transportation, concealment and export om India of Narcotic Drugs;

- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Deputy Commissioner of Police, Madras within 10 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 801|19|91-PITNDPS] PARKASH CHANDRA, Under Secy.

श्रादेश

नईविस्ती, 15 मई, 1992

का. श्रा. 337 (श्र).-- भागत सरकार के संयुक्त सचिव हो, जिसे स्वापक शौषष्ठ एवं मन. प्रमावं। पदार्थ अवैद्य स्थापार निवारण अधिनियम, 1988 को धारा 3 की उप धारा (1) के श्रार्थान विशेष रूप से समक्षत किया गया है, उकत उप धारा के अधीन श्रावेण फा. सं. 801/20/91 -- स्वा. ओ. म. प्र. श्रव्या. नि. तारोख 10-9-91 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री गोहम्मद श्रव्युत्लाह गोहम्मव नालीर उर्फ एम. ए. एम. नालीर उर्फ एस. एम. सृपुत्र गोहम्मद अब्दुल्लाह गोहम्मद केन्द्राय जेल, मद्रास की श्रिप्तिशा में रखा जाए ताकि न्से स्वापक औषधियों को खरावने, लाने-ले-जाने, छिपाने तथा भारत के बाहर निर्यात के लिए इस्प्रेरिस करने में लिल यहने तथा बङ्गंत्र से रोका जा सके;

- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का काण्ण है कि पूर्वोकत व्यक्ति फरार हो गया है या भ्रमने की छिपा रहा ह जिससे उक्त भावेश का निष्पादन नहां हो सके,
- 3. ग्रतः श्रव, केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रिधिनियम की श्रारा १ उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेण वेता है कि पूर्वेक्त व्यक्ति, इस भावेश के राजपन्न में प्रकाशन के 10 विन के भीतर प्रिस रुपायक्त, महास के समक्ष हाजिर हो।

[फा. सं. १०१/२०/११--स्था. जो. म. प. घ.ज्या. नि.] प्रकास श्वन्त्र, श्वथर संस्थित

#### ORDER

New Delhi, the 15th May, 1992

- S.O. 337(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 801 20/91-PITNDPS dated 10-9-1991 under the said sub-section directing that Shri Mohammed Abdullah Mohammed Naleer @M.A.M. Naleer @S.M. Slo Mohammed Abdullah Mohammed be detained and kept in custody in the Central prison, Madras with a view to preventing him from engaging in abetting and conspiring in purchase, transportation, concealment and export from India of Narcotic Drugs;
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Deputy Commissioner of Police, Madras within 10 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 801|20|91-PITNDPS] PARKASH CHANDRA, Under Secy.

स्रादेश

नई विल्ली, 15 नई. 1093

का था. 338(अ) - - भारत सरकार के संयुक्त संचित ने, जिसे त्यापण अधिवियम, 190% की धारा 3 की उप धारा (1) के प्रधीन विशेष रूप से महाकर किया गया है, एकत एप धारा के अधीन भादेश पा. सं. 801/21/91-एगः ओ. त. प्र. भक्या. ति. ताराख 10-9-91 यह निदेश देते हुए आरी किया गया था कि श्री रस्तम तुपुल मुखुस्वामी उर्फ पोतूस्वामी केन्द्रीय जैल, मदाम की धासरका में रखा आए नाकि उसे स्थापक औषश्चिमों को खरीदने, लाने के-जाने छिपाने तथा भारत के बाहर निर्धात के लिए उत्प्रीरित करने में लिएन रहने तथा बडरील में रोका आ सके;

- केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त ध्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिवा रहा है जिससे उकत आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- अतः सब, केन्द्रीय सरकार अक्त अधिनियम की धारा 8 अपधारा
  के खंड (ख) द्वारा प्रदक्त मिन्तिमों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश

देनी है कि पूर्योक्स व्यक्ति इस झादेश के राजपक्त में प्रकाशन के 10 दिन के मीतर पुलिस उपायक्त, मद्रास के समक्ष हाजिर हा।

> [फा. सं. 801/21/91 स्था. ओ. म. प. घ्र. मब्या. ति.] प्रकाश चन्त्र, ग्रवर सचिव

#### ORDER

New Delhi, the 15th May, 1992

- S.O. 338(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 801|21|91-PITNDPS dated 10-9-1991 under the said sub-section directing that Shri Ratnam S|o Muthuswamy @Ponnuswamy be detained and kept in custody in the Central prison, Madras with a view to preventing him from engaging in abetting and conspiring in purchase, transportation, concealment and export from India of Narcotic Drugs;
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Deputy Commissioner of Police, Madras within 10 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 801|21|91-PITNDPS] PARKASH CHANDRA, Under Secv.

* 1		